6 बिहारी के दोहे

रीतिकाल के प्रतिष्ठित श्रृंगारिक कवि बिहारी के दोहे गागर में सागर हैं। वैसे तो बिहारी प्रेम के कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं, पर उनके भक्ति और नीतिपरक दोहों को भी व्यापक लोकप्रियता मिली। इस पाठ में उनके द्वारा रचित तीनों तरह के दोहे शामिल हैं।

मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोय।
जा तन की झांई परै स्यामु हरित दुति होय।।

जपमाला, छापै, तिलक सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचै वृथा, साँचै राँचै रामु।।

बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सोहँ करैं भौं हनु हँसै, दैन कहे नटि जाइ।।

जब-जब वै सुधि कीजियै, तब-तब सुधि जाँहि।
आँखिनु आँखि लगी रहैं, आँखें लागति नाँहि।।

नर की अरु नल नीर की गति एकैं करी जोय।
जेतो नीचौ हवै चलै तेतो ऊँचो होय।।

संगति सुमति न पावही परे कुमति के धन्ध।
राखौ मेलि कपूर में हींग न होत सुगंध।।

बड़े न हूजै गुनन बिनु, बिरद बड़ाई पाय।
कहत धतूरे सो कनक, गहनो गढ़्यो न जाय।।

दीरघ साँस न लेहु दुख, सुख साईं हि न भूल।
दई दई क्यौं करतू है, दई दई सु कबूलि।।

बिहारी

शब्दार्थ

सरै	निकलना, बनना
काँचै	कच्चा
वृथा	व्यर्थ, बेकार
साँचै	सच्ची
राँचै	प्रसन्न
नर	मनुष्य
नीर	पानी, जल

जेतो		जितना
तेतो		उतना
धन्ध		रोज़गार, काम
कुमति		ख़राब बुद्धि
गुनन		गुण
बिनु		बिना, रहित
कनक		सोना, धतूरा
दीरघ साँस		लंबी साँस
साईं हि		स्वामी को
कबूलि		स्वीकार करना
बतरस लालच		बातचीत करने के आनंद के लोभ से
लाल	–	कृष्ण
लुकाई		छिपाकर
सौहँ		शपथ
नटि जाई		मुकर जाना
सुधि कीजियै		स्मरण किए जाते हैं
सुधि		चेतना
जाँहि		जाती रहती है
सुमति		अच्छी बुद्धि

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. **उन दोहों को लिखिए जिनमें निम्न बातें कही गईं हैं :**
(क) बाह्याडंबर व्यर्थ है। (ख)नम्रता का पालन करने से ही मनुष्य श्रेष्ठ बनता है। (ग) बिना गुण के कोई बड़ा नहीं होता। (घ) सुख-दुख समान रूप से स्वीकारना चाहिए।

2. दुर्जन के साथ रहने से अच्छी बुद्धि नहीं मिल सकती। इसकी उपमा में कवि ने क्या कहा है?

3. **रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए :**
(क) नर की अरु..........................ऊँचै होई।।
(ख) जपमाला, छापै, तिलक....................साँचै, राँचै रामु।।
(ग) बड़े न हूजै.........................गढ़्यो न जाय।।
(घ) दीरघ साँस न लेहु दुख..........................दई सु कबूलि।।

4. गोपियों ने कृष्ण की मुरली क्यों छुपाई?

पाठ से आगे

1. गुण नाम से ज्यादा बड़ा होता है। कैसे?
2. 'कनक' शब्द का प्रयोग किन-किन अर्थों में किया गया है।
3. हींग को कर्पूर के साथ रखने से सुगंधित क्यों नहीं होता है?

व्याकरण

1. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

भव, नर, बाधा, तन, नीर, कनक

2. निम्न शब्दों के आधुनिक / खड़ी बोली रूप लिखिए :

अरु, जेतौ, तेतौ, हरौ, वृथा, गुनन, बिनु ।

गतिविधि

1. रीतिकालीन अन्य कवि की रचनाओं को भी पढ़िए और वर्ग में सुनाइए ।
2. 'दई दई क्यौं करतू है, दई दई सु कबूलि'

   उपरोक्त पंक्ति में 'दई' शब्द बार-बार आया है जिसका अर्थ भिन्न-भिन्न है। दई=ईश्वर, दई=दिया। एक ही शब्द से जब दो प्रकार के अर्थ निकलते हैं तो वहाँ 'यमक' अलंकार होता है। इसी प्रकार के अन्य अलंकारों के बारे में शिक्षक/शिक्षिका से जानिए तथा उन पर चर्चा कीजिए।